नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

'मध्यकालीन हिंदी साहित्य का वर्तमान' विषय पर पुनश्चर्या कार्यक्रम
मंगलवार को प्रो. निर्मला जैन करेंगी उदघाटन

वर्धा दि. 15 फरवरी 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पं. मदन मोहन मालवीय शिक्षा मिशन के अंतर्गत स्थापित हिंदी का शिक्षण प्रशिक्षण केंद्र द्वारा देश की एकता तथा गंगा जमुनी संस्कृति को ध्यान में रखते हुए दिनांक 16 फरवरी से 28 फरवरी तक 'मध्यकालीन हिंदी साहित्य का वर्तमान' विषय पर पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के हबीव तनवीर सभागार में 16 फरवरी को अपराह्न 03:30 बजे हिंदी की वरिष्ठ आलोचक प्रो. निर्मला जैन के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र करेंगे। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के कुलपति प्रो. टी.वी. कट्टीमनी की गरिमामय उपस्थिति में समापन कार्यक्रम संपन्न होगा। इस कार्यक्रम में कई प्रांतों के प्रतिभागियों की उपस्थिति रहेगी। प्रतिभागियों के मार्गदर्शन हेतु चंडीगढ़ से प्रो. रमेश कुंतल मेघ, लखनऊ से प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, दिल्ली से प्रो. ओम प्रकाश सिंह, प्रो. दुर्गा प्रसाद गुप्त, डॉ. बलराम शुक्ल, वाराणसी से प्रो. चौथीराम यादव, गोरखपुर से प्रो. चित्तरंजन मिश्र, गुजरात से प्रो. दयाशंकर त्रिपाठी महाराष्ट्र से प्रो. भारती गोरे, प्रो. वीणा दाढ़े जैसे प्रबुद्ध विद्वान उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का संयोजन साहित्य विद्यापीठ के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. बीर पाल सिंह यादव करेगें।